

असाधारण EXTRAORDINARY

NAT II—Goe 3—3d-Goe (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 24]

नई विल्ली, बुधवार, जनवरी 15, 1992/पोष 25,1913
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 15, 1992/PAUSA 25, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ तंस्था वी वाती है विससे कि यह अलग संकलन के रूप में राखा का मक्डे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

ग्रधिसूचनाएं '

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1992

सं. 18/92--सीमाशुल्क

सा. का. नि. 42(म्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, ग्रायात और निर्यात (नियंत्रण) ग्रिधिनियम 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के ग्रधीन प्रकाशित ग्रायात और, निर्यात नीति भ्रत्रैल, 1990—मार्च, 1993 के पैरा 270क के ग्रधीन जारी की गई श्रन्तरणीय ग्राम ग्रनुकृष्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रनुकृष्ति कहा गया है) के ग्राधार पर भारत में ग्रायातित सामग्री को, सीमाशुल्क हैरिफ ग्रिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली ग्रनसूत्री में विनिर्दिष्ट उस पर उद्गुरुणीय समस्त सीमाशुल्क से और उक्त सीमाशुल्क हैरिफ ग्राधिनियम की धारा 3 के ग्रधीन उसपर उद्गुरुणीय समस्त ग्राविरक्त शुक्क से, निम्नलिखित गर्तों के ग्रधीन रहते हुए, छूट देती है, ग्रथीत्:—

- (i) यह कि उक्त धनुजाप्त में उसके प्रधीन भाषात किए जाने के लिए धनुजात सामग्री का पूर्ण वर्णन, माला और मूल्य अन्तिकिङ है;
- (ii) यह कि ग्रायातित सामग्री उक्त अनुक्रप्ति में यथा विनिर्दिष्ट वर्णन, माला और मृत्य के ग्रनरूप है;
- (iii) यह कि उक्त अनुज्ञप्ति में उक्त अनुज्ञप्ति जारी करने वाले अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा किया गया निम्नलिखित पृष्ठांकन अन्तर्विष्ट है, अर्थात् :—

 - (ख) "पोत परिवहन पत्न और निर्यात पत्न की निर्यात संवर्धन प्रति से यह सत्यापित किया गया है कि उस पर अन्त-रणीय अग्निम अनुज्ञिष्त की मंजूरी के लिए उसे स्वीकार करते हुए सम्चित सीमाणुल्क अधिकारी का पृष्टांकन है";

परन्तु ऐसा कोई पृष्टांकन समुचित सीमाशुल्क श्रधिकारी द्वारा ऐसी अन्तरणीय ग्राप्रम अनुझित की मंजूरी के लिए नहीं किया जाएगा जिसकी बाबत सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वापसी नियम, 1971 के श्रधीन या सीमाशुल्क श्रधिनियम, 1962 की धारा 74 के श्रधीन शुल्क की वापसी के लिए दावा किया गया है या जहां माल का सीमाशुल्क श्रधिनियम, 1962 की धारा 65 के श्रधीन भागतः या पूर्णतः बंधपत्न के श्रधीन या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 56क या नियम 57क के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मुजरा का उपयोग करके या नियम 191 क या नियम 191 ख की प्रक्रिया का अनुसरण करके या किसी निर्यात प्रसंस्करण जोन या मुक्त व्यापार जोन में अवस्थित किसी एकक द्वारा या श्रतप्रतिशत निर्यातोन्मुख के एकक के रूप में रजिस्ट्रीकृत किसी एकक द्वारा या श्रतप्रतिशत निर्यातोन्मुख के एकक के रूप में रजिस्ट्रीकृत किसी एकक द्वारा विनिर्माण किया गया है या जहां निर्यात श्राप्रम अनुझापन स्कीम के श्रधीन है।

- (ग) "इस ग्रन्तरणीय ग्रिग्रिम अनुज्ञप्ति की मंजूरी का तथ्य निर्यात दस्तावेजों पर जिनके ग्रन्तगत पोत परिवहन पत्न और निर्यात पत्न भी है, पृष्ठांकिन किया गया है;
- (4) यह कि उक्त अनुक्तित्त इंजीनियरी, चमड़े या टेक्सटाइल के ऐसे उत्पादों के निर्यात के लिए जारी की गई है जिनके लिए आयात और निर्यात नीति अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के परिशिष्ट 13ग के अधीन निवेश—उत्पादन मान प्रकाशित किए गए हैं।
- (5) यह कि उक्त अनुज्ञप्ति मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, कांडला, मंगलौर, मार्मगोवा, मद्रास, नव शेवा, पारादीप, तृतीकोरिन और विशाखापत्तनम स्थित समुद्री पत्तनों या ग्रहमदाबाद, बंगलौर, मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली जयपुर, वाराणसी, श्रीनगर, द्विवेन्द्रम, हैदराबाद और मद्रास स्थित किसी विमान पत्तन के मार्ग से या बंगलौर, कोयमबटूर, दिल्ली, न्यू गोहाटी गुड्स शेड, मुरादाबाद, लुधियाना और हैदराबाद स्थित किसी ग्रान्तरिक ग्राधान डिपो के मार्ग से नियात के लिए मंजूर की गई है।

 उपरोक्त में किसी बात के होते हुए भी ऐसी कोई भी छूट निम्न-लिखित के श्रायात के लिए मंजूर नहीं की जाएगी —

- (i) सभी प्रकार की फेब्रिकों;
- (ii) प्रत्यास्थ जूटः और
 - (iii) संक्लिष्ट मृद् अपक्षिष्ट

स्पष्टीकरण: इस ग्रधिसूचना में,--

- (i) श्रायात और निर्यात नीति श्रप्रैल, 1990—मार्च, 1993 से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा-संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 1—ग्राई टी सी (पी एन)/ 90—93 तारीख 30 मार्च, 1990 द्वारा प्रकाशित श्रायात और निर्यात नीति श्रप्रैल, 1990—मार्च, 1993 श्रभिप्रेत है।
- (ii) "अनुज्ञापन प्राधिकारी" से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन किए गए आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन अनुज्ञाप्त मंजूरी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

[फा. सं. 605/226/91——डी बी के] बी.एल. गुर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 15th January, 1992

NOTIFICATIONS

NO. 18|92-CUSTOMS

G.S.R. 42(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts materials imported into India, against a Transferable Advance Licence (hereinafter referred to as the said licence), issued under para 270A of the Import and Export Policy April 1990-March 1993, published under section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Custom Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:

- that the said licence contains the complete description, quantity and the value of the materials allowed to be imported under the same;
- (ii) that the materials imported conform to description, quantity and value as specified in the said licence;
- (iii) that the said licence contains the following endorsements by the Licensing Authority issuing the said licence, namely:

 - (b) "It has been verified from the Export Promotion copy of the Shipping Bills and the Bills of Export that the same bears an endorsement of the proper officer of customs admitting the same for grant of Transferable Advance Licence";

Provided that no such endorsement shall be made by the proper Officer of Customs for grant of Transferable Advance Licence, in respect of which claim has been made for duty drawback under Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1971, or under Section 74 of Customs Act, 1962 or where goods have been manufactured partly or wholly in bond under section 65 of the Customs Act, 1962 or by availing credit of central excise duty under rule 56A or rule 57A or by following the procedure of rule 191A of rule 191B of Central Excise Rules, 1944, or by a unit located in any of the Export Processing Zone or Free Trade Zone or by a unit registered as 100 per cent Export Oriented Unit or where the export is under Advance Licensing Scheme.

(c) "The fact of grant of this Transferable Advance Licensing has been endorsed on

the Export documents including the Shipping Bills and Bills of exports";

- (iv) that the said licence has been issued against export of Engineering, Leather or Textile products for which input-output norms have been published under Appendix 13C of the Import and Export Policy April 1990.—March 1993;
- (v) that the said licence has been granted against exports from sea ports at Bombay, Calcutta, Cochin, Kandla, Mangalore, Marmgao, Madras, Nhasa Sheva, Paradeep. Tuticorin and Vishakapatnam or through any of the airports at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Delhi, Jaipur, Varanasi, Srinagar, Trivandrum, Hyderabad, and Madras or through any of the Internal Container Depots at Bangalore, Coimbatore, Delhi, New Gauhati Goods Shed, Moradabad, Ludhiana and Hyderabad.
- 2. Notwithstanding anything contained here in above, no such exemption shall be granted for import of
 - (i) Fabrics, all sorts;
 - (ii) Elastic Webbing; and
 - (iii) Synthetic soft waste;

Explanations: In this notification.—

- (i) Import and Export Policy April 1990— March 1993 means the Import and Export Policy April 1990—March 1993, published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)|90—93 dated the 30th March, 1990 as amended from time to time.
- (ii) "Licensing authority" means an authority competent to grant a licence under Imports

(Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Central) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 605|226|91-DBK]B. L. GUR, Under Secy.

सं. 19/92-सीमाण्लक

सा. का. ति. 43 (प्र):—केन्द्रीय सरकार, विस प्रधितियम, 1991 (1991 का 18) की धारा 3की उपधारा (4) के साथ पटित सीमाणुरू प्रधितियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त णिकत्यों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करता खावण्यक है, भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ध्रिधिसूचना सं. 24/91—सीमाणुरूक, तारीख 14 मार्च, 1991 का निम्नलिखित और मंशोधन करती है:—

उक्त ग्रधिसूचना से उपाबक्ष भनसूची में, श्रम सं. 291 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्निसिश्वत श्रम सं. और प्रविष्टियां अंतः स्थापित की जाएंगी, ग्रर्थात् :---

"292 सं. 19 सीमाशूल्क, तारीख 15-1-1992 ।"

[फा. मं. 605/226/91-की की के] बी. एल. गुर, श्रवर सर्विव

NO. 19|92-CUSTOMS

G.S.R. 43(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-section (4) of section 3 of the Finance Act, 1991 (18 of 1991), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby further amends the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 24|91-Cus dated 14th March, 1991 as follows:

In the Schedule annexed to the said notification,
—after Serial No. 291 and the entry relating thereto, the following serial number and
entries shall be inserted, namely:—

"292 No. 19 Customs, dated 15-1-1992."

[F. No. 605|226|91-DBK]B. L. GUR. Under Secy.

		٠.	
-			